चार आम्नाय मठ

मठ	पश्चिम द्वारका कालिका मठ	उत्तर बदरिकाश्रम ज्योतिर्मठ	पूर्व जगन्नाथ गोवर्धन मठ	दक्षिण शृंगेरी शारदा मठ
देवता	सिद्धेश्वर शक्ति-भद्रकाली	नारायण शक्ति-पूर्णगिरि	जगन्नाथ (पुरुषोत्तम) शक्ति-वृशला	मलहानिकरलिंग; वराह, शक्ति-शारदा
तीर्थ	गोमती नदी	अलकनंदा नदी	महोदधि (बंगाल की खाड़ी)	तुंगभद्रा
आचार्य	श्रीपद्मपाद	श्रीतोटक	श्रीहस्तामलक	श्रीसुरेश्वर
वेद	साम	अथर्व	ऋग्	यजुः
सम्प्रदाय	कीटवार	नंदवार	भोगवार	भूरिवार
महावाक्य	तत्त्वमसि	अयमात्मा ब्रह्म	प्रज्ञानं ब्रह्म	अहं ब्रह्मास्मि
योगपट्ट या पद	तीर्थ आश्रम	गिरि पर्वत सागर	अरण्य वन	सरस्वती, पुरी, भारती, अरण्य, तीर्थ, गिरि, आश्रम